एग्री आर्टिकल्स
(कृषि लेखों के लिए ई-पत्रिका)
वर्ष: 04, अंक: 02 (मार्च-अप्रैल, 2024)
www.agriarticles.com पर ऑनलाइन उपलब्ध
© एग्री आर्टिकल्स, आई. एस. एस. एन.: 2582-9882

फूलों की खेती का महत्व

(*आकाश चन्द्रा एवं रिनु)
पुष्पविज्ञान एवं भूदृश्य वास्तुकला विभाग, कृषि महाविद्यालय, इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय, रायपुर
*संवादी लेखक का ईमेल पता: akashchandra356@gmail.com

खाद्य और पोषण सुरक्षा के अलावा सौंदर्य मूल्य भी हमारे दैनिक जीवन के साथ–साथ पर्यावरणीय शुद्धता के लिए भी उतना ही महत्वपूर्ण है।

पुष्पकृषि निम्नलिखित दृष्टि से महत्वपूर्ण है

आर्थिक दृष्टिकोण

- फूलों की खेती दुनिया में एक तेजी से उभरता हुआ प्रमुख उद्यम है, विशेष रूप से कई दूसरे देशों के लिए संभावित वाइपर के रूप में।
- घरेलू और साथ ही निर्यात बाजार के लिए उगाए जा रहे कई फूल और सजावटी पौधे किसी भी अन्य कृषि /बागवानी फसलों की तुलना में अधिक मुनाफा प्रति इकाई क्षेत्र प्रदान करेंगे।
- उदाहरण के लिए दिल्ली, मुंबई और अन्य महानगरों के बाजारों में ग्लेडियोलस और जरबेरा फूल की एक कीलो 250 रुपये तक बिक सकती है। और खरीफ में 3–5 रु., रबी / ग्रीष्म में 5–10 प्रति पुष्प बिकती है ।
- फूलों की फसल की गर्भधारण अवधि अन्य फसलों की तुलना में बहुत कम होती है।
- आधुनिक समय की फूलों की खेती से तात्पर्य गुलाब, ग्लेडियोलस, कार्नेशन, ऑर्किड, ट्यूबरोज, एन्थ्यूरियम, लिलियम, जरबेरा आदि जैसे उच्च मूल्य वाले कटफ्लॉवर के उत्पादन से है।
- आजकल, फूलों की सजावट, गुलदस्ते की तैयारी के लिए सजावट और फूलों की बास्केट के लिए उपयुक्त इन कटफ्लावर फसलों की खेती में काफी वृद्धि हुई है और कुल व्यापार में इसकी हिस्सेदारी में भी सुधार हुआ है।
- चमेली, क्रॉसेंड्रा, गेंदा, चाइनाएस्टर, गुलदाउदी और गिलार्डिया आदि के खुले फूलों की बिक्री दक्षिण भारत में जोरों पर है।
- फूलों की खेती में वर्तमान प्रवृत्ति सूखे फूल बनाने, प्राकृतिक रंग और आवश्यक तेल निकालने की है।
- अच्छी गुणवत्ता वाले फूलों के बीज और सजावटी पौधों की सामग्री की बहुत मांग है ।
- वर्तमान में वैश्विक सजावटी फसल उद्योग लगभग 70 बिलियन अमेरिकी डॉलर का है।
- फूलों की वैश्विक खपत लगभग 35 बिलियन अमेरिकी डॉलर है।
- विश्व के विभिन्न देशों में तीन लाख हेक्टेयर से अधिक क्षेत्र में फूलों का उत्पादन होता है।
- फूलों की खेती साल भर स्वरोजगार के अवसर पैदा करती है। इस क्षेत्र में रोजगार के अवसर काम की प्रकृति की तरह ही विविध हैं।
- कोई व्यक्ति फूलों की खेती के क्षेत्र में फार्म प्रबंधक , वृक्षारोपण विशेषज्ञ, पर्यवेक्षक और परियोजना समन्वयक आदि के रूप में शामिल हो सकता है।
- अनुसंधान और शिक्षण क्षेत्र में रोजगार के कुछ अन्य रास्ते हैं।
- विभिन्न उद्यमों के लिए फूलों की खेती के उत्पादों का विपणन इस क्षेत्र के एक संभावित खंड के रूप में उभर रहा है।

- ❖ इसके अलावा उचित प्रशिक्षण के साथ कोई व्यक्ति सलाहकार, लैंडस्केप आर्किटेक्ट आदि के रूप में भी काम कर सकता है।
- ❖ व्यक्ति उद्यमी के रूप में भी काम कर सकता है और दूसरों को रोजगार दे सकता है।
- ❖ इन करियरों के अलावा जिसमें अनुसंधान और फसलों की वास्तविक खेती शामिल है।
- ❖ पुष्प विज्ञान सेवा और आजीविका के अवसर भी प्रदान करता है जिसमें पुष्प डिजाइनर, ग्राउंडकीपर, लैंडस्केप डिजाइनर, आर्किटेक्ट और बागवानी चिकित्सक जैसी नौकरियां शामिल हैं।
- ❖ बागवानी और ऐसी अन्य गतिविधियों के प्रति झुकाव के साथ संयुक्त व्यावसायिक योग्यता कुशल पुष्पकृषि विशेषज्ञ और भूनिर्माण पेशेवरों का निर्माण करती है।
- ❖ वर्तमान में 145 से अधिक देश व्यावसायिक पैमाने पर फूल उत्पादन में शामिल हैं।

सौन्दर्यात्मक दृष्टिकोण

- ❖ भूनिर्माण के लिए बहुत गुंजाइश है और इसे राज्यों में अरबों डॉलर कमाने वाला उद्योग माना जाता है जो अंततः किसी भी इमारत के मौद्रिक मूल्य को बढ़ाता है।
- ❖ एक जापानी फूल सज्जाकार के लिए प्रत्येक फूल एक या अधिक अर्थ व्यक्त करता है (उदाहरण के लिए इकेबाना)।
- ❖ किसी भी देश की संपत्ति उसके लोगों के स्वास्थ्य से जुड़ी होती है। जब तक हम अपने नागरिकों, विशेष रूप से युवा पीढ़ी के स्वस्थ विकास को सुनिश्चित नहीं कर सकते, उन्हें जैव–सौंदर्य योजना और परिदृश्य बागवानी के माध्यम से खुली सांस लेने की जगह प्रदान करके, हम एक स्वस्थ समाज और समृद्ध राष्ट्र के निर्माण की उम्मीद नहीं कर सकते।
- ❖ बागवानी थेरेपी – मानसिक दुर्बलता को ठीक करने के लिए बागवानी विज्ञान का नया आयाम है और विज्ञान बगीचे, परिदृश्य पौधों, पौधों के हिस्सों, बढ़ती गतिविधि को काम करने के लिए उपकरण के रूप में उपयोग करना है।
- ❖ पौधों की जैव शक्ति मानव की जैव शक्ति की समस्याओं का स्थायी समाधान प्रदान करती है, इस प्रकार, जैव सौंदर्य बागवानी मानव स्वयं या आंतरिक वातावरण में खोई हुई लय और सद्भाव को वापस लाने के लिए एक नए व्यावसायिक चिकित्सीय उपकरण के रूप में उभर रही है।
- ❖ इसका उपयोग मनोरोग अस्पताल, सामान्य अस्पतालों, शारीरिक पुनर्वास केंद्र, बुजुर्गों के लिए घरों, जेलों और स्कूलों में किया जा रहा है।
- ❖ मरीज उच्च स्तर का व्यक्तिगत विकास और संतुष्टि प्राप्त कर सकते हैं।

सामाजिक दृष्टिकोण

- ❖ फूल पवित्रता, सुंदरता, शांति, प्रेम, आराधना, मासूमियत और जुनून आदि का प्रतीक हैं। इसलिए, कई फूलों का उपयोग सबसे संवेदनशील, नाजुक और प्रेमपूर्ण भावनाओं को व्यक्त करने के लिए किया जाता है जिन्हें हमारे शब्द व्यक्त करने में विफल रहते हैं।
- ❖ हमारे समाज में कोई भी सामाजिक कार्य फूलों , फूलों के आभूषणों, गुलदस्ते या फूलों की सजावट के उपयोग के बिना पूरा नहीं होता है, इनका उपयोग सभी सामाजिक कार्यों में अवश्य किया जाता है।
- ❖ सामाजिक समारोहों, जन्मदिन पार्टियों, दोस्तों या रिश्तेदारों का स्वागत करने और गणमान्य व्यक्तियों का सम्मान करने में उपयोग किया जाता है। वैलेंटाइन डे का कॉन्सेप्ट भारत में भी तेजी से जोर पकड़ रहा है।
- ❖ नवजात शिशु के आगमन पर फूलों से मनाई गई खुशियां
- ❖ एक भारतीय के लिए, विशेष रूप से हिंदुओं के लिए, धार्मिक प्रसाद में फूलों का बहुत अधिक महत्व है। यह अनुमान लगाया गया है कि कुल फूल उत्पादन का 30–40: से अधिक की खपत अकेले कोलकाता शहर में की जा रही है, जिसका उपयोग पूजा के उद्देश्य से किया जाता है।
- ❖ विवाह समारोहों में सभी उम्र की महिलाओं, विशेषकर दक्षिण भारत में बालों को सजाने के लिए फूलों की माला, गजरा और वेनिस की आवश्यकता होती है।
- ❖ वर्तमान आधुनिक युग में बीमारों को सुंदर कटफ्लावर चढ़ाकर शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की जाती है, जबकि मृतकों को फूलों के साथ–साथ दुख के आंसू के साथ विदाई दी जाती है।

❖ मानव सभ्यता के आरंभ से ही फूल मानव जाति के साथ बहुत निकटता से जुड़े हुए हैं। फूलों से कहने की आदत बढ़ती जा रही है . कोई भी भारतीय फूलों के साथ पैदा होता है और फूलों के साथ ही जीता है और अंत में फूलों के साथ ही मर जाता है ।